Need to establish IIT and NLU in Samastipur, Bihar

श्रीमती शांभवी **(**समस्तीपुर**):** माननीय सभापति महोदया, आपने मुझे मेरे लोक सभा क्षेत्र के बारे में एक अति महत्वपूर्ण विषय को उठाने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूँ । मैं आपके माध्यम से, सदन का ध्यान अपने लोक सभा क्षेत्र समस्तीपुर की तरफ दिलाना चाहूँगी ।

समस्तीपुर लोक सभा क्षेत्र जननायक कर्पूरी ठाकुर जी का क्षेत्र है, जो सामाजिक न्याय के साथ-साथ शिक्षा और एजुकेशन रिफॉर्म्स के लिए भी बहुत मजबूती से अपनी आवाज़ उठाते थे और उसके लिए काम करते थे ।

मेरे समस्तीपुर लोक सभा क्षेत्र के अंतर्गत डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सेन्ट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी है, जिसने कृषि के क्षेत्र में रिसर्च और एकेडमिक शिक्षा के माध्यम से, देश भर में अपना नाम स्थापित किया है । लेकिन जहाँ यह कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, वहाँ हमारे युवा साथी इंजीनियरिंग या कानून की पढ़ाई करना चाहते हैं, तो इनकी पढ़ाई के लिए मेरे लोक सभा क्षेत्र में इंस्टिट्यूट्स नहीं हैं ।

इसलिए मैं आपके माध्यम से, सरकार से माँग करती हूँ कि नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी या आईआईटी जैसे इंस्टिट्यूट्स समस्तीपुर में खुलें ताकि मिथिला के भी युवा छात्रों को शिक्षा में समान अधिकार मिले । उनके ऊपर जो फाइनेंशियल बर्डेन पड़ता है और ब्रेन-ड्रेन की जो समस्या हमारे लोक सभा क्षेत्र में हो जाती है, चूंकि अगर उनको कानून या इंजीनियरिंग की पढ़ाई करनी है, तो उनको पटना, दिल्ली, मुम्बई आदि शहरों में जाना पड़ता है, तो इनकी व्यवस्था करने से इस समस्या का हल हो सकता है । इसलिए मैं चाहूँगी कि केन्द्र सरकार आईआईटी और एनएलयू जैसे इंस्टिट्यूटस समस्तीपुर में खोले और युवाओं को समान अवसर दे ।

बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय सभापति**:** माननीय सदस्यगण, पिछले कई दिनों से शून्यकाल नहीं हुआ था । मेरे पास शून्यकाल में बोलने वाले सदस्यों की एक लम्बी लिस्ट है । मैं आज उन सभी लिस्ट्स में से बारी-बारी से नाम पुकार रही हूँ । कृपया, आप लोग अपनी बात एक-एक मिनट में रखें ।

श्री गुरजीत सिंह औजला - उपस्थित नहीं ।

श्री महेश कश्यप ।